बी० ए० - IV सेमेस्टर

Date
Page

# संस्मरण

## (1) तुम्हारी स्मृति

(माखनलाल चतुर्वेदी)

'तुम्हारी स्मृति' माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा लिखी गयी प्रसिद्ध संस्मरण है, प्रस्तुत संस्मरण में लेखक ने भारतवर्ष के कुशल तथा प्रसिद्ध नेता लोकमान्य बालगंगाधर के व्यक्तित्व और उनके द्वारा पराधीन भारतवर्ष को स्वतन्त्र करने के लिए किये गये प्रयासो का वर्णन किया है, प्रस्तुत संस्मरण में तिलक जी की जो चारित्रिक विशेषताएं उभर कर सामने आयी हैं, वे इस प्रकार हैं —

1) अपने धर्म के प्रति आस्था अर्थात् कट्टर हिन्दू
2) सच्चे देशभक्त
3) जन नायक
4) एक क्रान्तिकारी
5) कुशल सेना नायक

माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित 'तुम्हारी स्मृति' एक संस्मरण है, जिसमें लेखक ने एक सच्चे राष्ट्रप्रेमी तिलक के बहुआयामी व्यक्तित्व को उजागर किया है और यह उन्ही के व्यक्तित्व पर आधारित है, लेखक को उस समय की याद आती है, जब अपना भारत देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, समाज के सभी वर्ग अमीर, गरीब, किसान, मजदूर आदि सभी अँग्रेजी सत्ता के आगे अपने आपको बेबस और मजबूर महसूस कर रहे थे, तभी ऐसे समय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का आविर्भाव होता है,

Scanned with CamScanner

(5) दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा नवीन
'उँ नमेन्द्र'

* दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' नामक संस्मरण में लेखक ने नवीन जी के व्यक्तित्व और व्यवहार का गहन अवलोकन किया है,

* बालकृष्ण शर्मा नवीन राष्ट्रीय और सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवियों में से एक हैं, नगेन्द्र जी की बालकृष्ण शर्मा नवीन से मुलाकात को तीन भागों में बाँटा है
पहली मुलाकात 1945 कानपुर में
दूसरी मुलाकात 8 दिसम्बर 1959 दिल्ली में
तीसरी या अंतिम समय — यह नवीन जी का अन्तिम समय था,
प्रस्तुत संस्मरण में नगेन्द्र जी ने बालकृष्ण शर्मा नवीन जी के व्यक्तित्व में प्रकाश डाला है,

Scanned with CamScanner

(4) निराला भाई

"महादेवी वर्मा"

निराला के व्यक्तित्व की विशेषतायें ↓

1) छायावादी काव्यधारा के प्रमुख कवि
2) सबसे समृद्ध भाई
3) एकांकी जीवन के धनी
4) अस्त-व्यस्त जीवन वाले फक्कड़
5) औढ़र दानी
6) अतिथि को देवता मानने वाले
7) सच्चे मानव - पंत की मौत से व्यथित
8) हर दृष्टि से असाधारण

Scanned with CamScanner